वन उत्पादकता संस्थान, रांची

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

22 मई, 2019

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2019 के अवसर पर संस्थान द्वारा दिनांक 22.05.2019 को जैव विविधता, वन पर्यावरण सबंधित विषय पर झारखण्ड राज्य के रांची जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों को चित्रकला एवं प्रश्नोत्री प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया| संस्थान के वरिष्ठ बैज्ञानिक डॉ, संजय सिंह एवं डॉ अनिमेष सिन्हा द्वारा चित्रकला तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता की अध्यक्षता की गई | संस्थान के निदेशक डा.नितिन कुलकर्णी के नेतृत्व में श्रीमति रूबी एस कुजूर, वैज्ञानिक - सी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया| रांची जिले के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 30 छात्र-छात्राओ ने इस अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर वन उत्पादकता संस्थन, रांची द्वारा आयोजित चित्रकला एवं प्रश्नोतरी जैव विविधता-पर्यावरण से संबंधित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में सक्रिय भाग लिया|

इस अवसर पर मुख्य अतिथि रांची एव भागलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा के के नाग का संस्थान के निदेशक द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया |

संस्थान के निदेशक, डा. नितिन कुलकर्णी ने अन्य जैविक एवं अजैविक (वातावरणीय) कारकों के कारण जैव विविधता सिमटने पर गहरी चिंता जाहिर की| वनों के सिमटने से जंगली जीव-जंतु, जानवर एवं पक्षी पलायन कर जाते हैं| अव्यवस्थित रूप से जंगलों के पेड़-पौधे तथा जड़ी बूटियों की कटाई करना खदान बनाना,पानी संग्रहण की कुव्यवस्था आदि भी जैव विविधता ह्रास का कारण बनते है इस विषय पर भी चर्चा की |

संस्थान के सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री रवी शंकर प्रसाद ने जैव विविधता तथा सामयिक बिषय पर बिस्तृत ब्याख्यान दिया तथा परिसर के अन्दर लगे पेड़, वन्य प्रजाति वृक्ष एवं औषधीय पौध से संबंधित जानकारी से अवगत कराया| विशेसकर वनो एव वनो की जड़ी बूटियों का दोहन पर भी बिस्तृत चर्चा की गई |

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा के॰ के॰ नाग ने भी अपने व्याख्यान मे जैव विविधता पर विशेष प्रकाश डाला | अपने अनुभवों के आधार पर विश्व मे ह्रास एवं विलुप्त हो रहे जीव जन्तुओ एवं वन्य प्रजातियों को संरक्षित किया जाना जैव विविधता एवं पर्यावरण के लिए एक

सुयोग्य कदम होगा, इसपर भी उन्होने चर्चा की, तथा विशेसतया विद्यार्थियों को जैव विविधता एव पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक वर्ष तीन पौधे (Timber, Horticulture ,Medicinal) अवश्य लगाने हेतु प्रोत्साहित किया । अपने वक्तव्य में उन्होंने जैव विविधता एवं वनों में वृद्धि कैसे करें इस पे पर विशेष प्रकाश डाला और उन्होंने ये भी कहा की नई पीढ़ी का इसमें विशेष योगदान होना चाहिए तथा इस प्रकार के कार्यकर्मों का प्रमुख उदेश्य नई पीढ़ी के कार्यों में इस संबंध में जागरूकता लाना तथा उन्हें अपनी जिम्मेंदारियों का बोध कराना भी है | इसके लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधों को लगाना एवं उनकी सुरक्षा तथा जीव जंतुओं को बचाने के लिए आमलोगो में जागरूकता लानी होगी| उन्होने कहा की क्षेत्रिय रूप से वन उत्पादकता संस्थान भी बीस वर्षों मे यहाँ की जैव विविधता मे विशेष परिवर्तन हुआ है जबकी बीस वर्ष पहले यह स्थान निरंक था| इस अवसर पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे । कार्यक्रम की महत्वपूर्ण कड़ी मे तत्पश्चात प्रतिभागियों को पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया|

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2019 के कार्यक्रम में श्री एस. एन. वैद्य, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री बी. डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी, श्री सूरज कुमार, तकनीकी सहायक, श्री बसंत कुमार तकनीकी सहायक एवं, श्री करम सिंह मुंडा तकनीकी सहायक ने योगदान दिया| डा. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने जैव विविधता पर विशेष जानकारी दी तथा मुख्य अतिथि तथा अन्य सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया|

INTERNATIONAL DAY OF
BIOLOGICAL DIVERSITY (IBD), 2019

INTERNATIONAL DAY OF

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

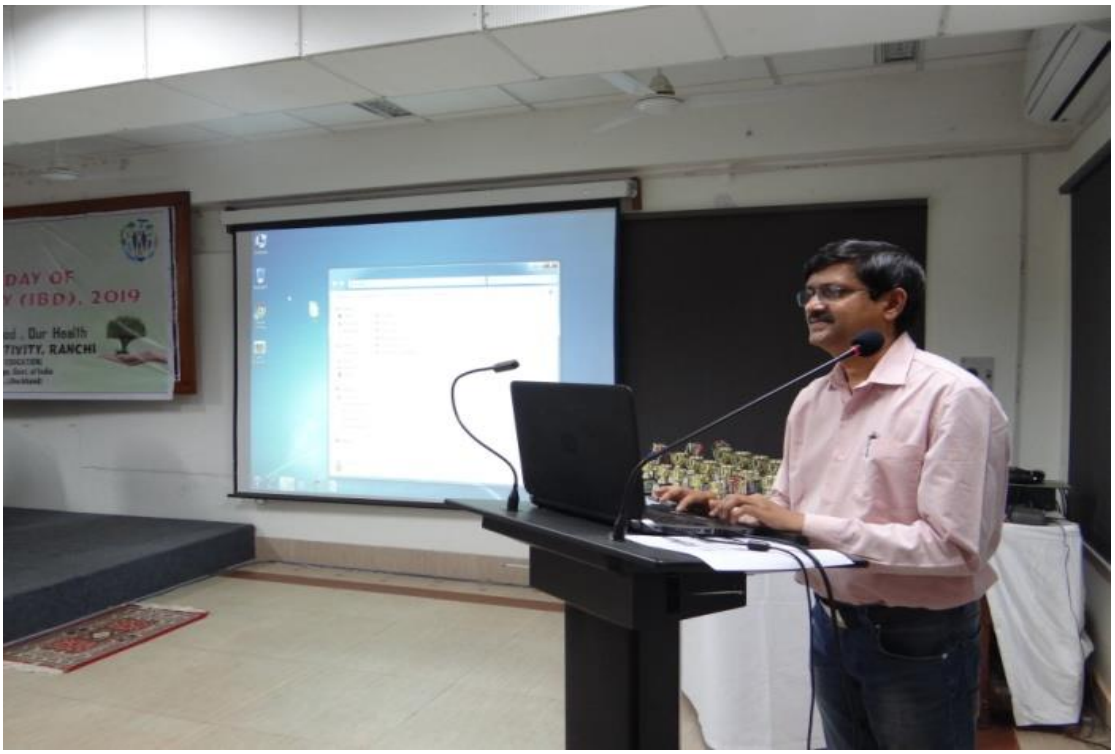
DAY OF
(IBD), 2019
Our Health
TIVITY, RANCHI

ild life conservation aims at :
aintaining the ecological process
enrich the wildlife diversity with exotic species
eventing migration of species
aintaining the diversity of life
orrect statements are
A. a,b
B. b,c
C. c,d
D. a,d

BIODIVERSITY :
AN INTRODUCTION

Thank you for attention!